अभ्यास पत्रक जहाँ पहिया है

प्रश्न-1(क) "....उन जंजीरों को तोड़ने का जिनमें वे जकड़े हुए हैं, कोई-न-कोई तरीका लोग निकाल ही लेते हैं...." आपके विचार से 'जंजीरों' द्वारा किन समस्याओं की ओर इशारा कर रहा है?

उत्तर – 'जंजीरों' द्वारा समाजिक रुढियों और संकीर्णता की ओर संकेत कर रहे हैं। हमारे पुरुष प्रधान समाज में नारी को हमेशा से दबना पड़ा है। पर जब वह दमित नारी कुछ करने की ठानती है तो ये जंजीरे कटने लगती हैं। जैसे – स्त्री की आज़ादी और समानता का अधिकार ।

प्रश्न-1 (ख) क्या आप लेखक की इस बात से सहमत हैं? अपने उत्तर का कारण भी बताइए।

उत्तर –हाँ, मैं लेखक की बात से पूर्णत: सहमत हूँ क्योंकि जब-जब किसी पर जंजीरे कसी जाती है तो वह इन रूढ़ियों के बंधनों को तोड़ डालती है। समय के साथ-साथ विचारधाराओं में भी परिवर्तन होता रहता है जब ये परिवर्तन होने प्रारम्भ होते हैं तो समाज में एक जबरदस्त बदलाव आता है जो उसकी सोचने-समझने की धारा को ही बदल देता है।

प्रश्न-2 'साइकिल आंदोलन' से पुडुकोट्टई की महिलाओं के जीवन में कौन-कौन से बदलाव आए हैं?

उत्तर – साइकिल आंदोलन से पुडुकोट्टई की महिलाओं के जीवन में अनेक बदलाव आए हैं-

(क) साइकिल आंदोलन ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया।

(ख) साइकिल आंदोलन से महिलाएँ छोटे-मोटे बाहर के काम स्वयं करने लगी।

(ग) साइकिल आंदोलन से वे अपने उत्पाद कई गाँव में ले जाकर बेचने लगीं ।

(घ) साइकिल आंदोलन से उनकी आर्थिक स्थिति सुधरी है।

(ङ) साइकिल आंदोलन से समय और श्रम की बचत हुई है।

प्रश्न-3 शुरूआत में पुरुषों ने इस आंदोलन का विरोध किया परंतु आर-साइकिल्स के मालिक ने इसका समर्थन किया, क्यों?

उत्तर – आर. साइकिल्स के मालिक की आय में वृद्धि हो रही थी। यहाँ तक कि लेडीज़ साइकिल कम होने पर महिलाएँ जेंट्स साइकिल भी खरीद रही थीं। इसलिए आर-साइकिल्स के मालिक ने स्वार्थवश आंदोलन का समर्थन किया।

प्रश्न-4 प्रारंभ में इस आंदोलन को चलाने में कौन-कौन सी बाधाएँ आईं ?

उत्तर – प्रारम्भ में साइकिल आंदोलन चलाने में कुछ मुश्किलें आईं जैसे-

(च) सर्वप्रथम गाँव के लोग बहुत ही रूढ़िवादी थे। उन्होंने महिलाओं के उत्साह को तोड़ने का प्रयास किया।

(छ) महिलाओं के साइकिल चलाने पर उन पर फ़ब्तियाँ कसीं ।

(ज) महिलाओं के पास साइकिल-शिक्षक का अभाव था, जिसके लिए उन्होंने स्वयं साइकिल सिखाना आरम्भ किया और आंदोलन की गति पर कोई असर नहीं पड़ने दिया।